

हाथ-पैर की जलन 3. प्रकृति-प्रतिकूल खाद पदार्थों से आंतों में अम्ल बनने की क्रिया 4. दाह, जलन।

विदाही वि. (तत्.) चिकि. 1. शरीर में दाह या जलन उत्पन्न करने वाला पर्या. दाहक, तीक्ष्ण, चटपटा पुं. दाह उत्पन्न करने वाला कोई भोज्य पदार्थ या द्रव्य।

विदित वि. (तत्.) 1. जाना हुआ, प्रसिद्ध 2. सूचित किया हुआ 3. स्वीकृत पुं. 1. विद्वान, कवि 2. ऋषि 3. सूचति 4. विख्यात, प्रसिद्ध 5. लाभ, प्राप्ति ज्ञात, समझा हुआ सीखा हुआ उदा. 'धनुही सम त्रिपुरारिधनु, विदित सकल संसार'- रामचरित मानस।

विदिश/विदिक पुं (तत्.) दो दिशाओं के बीच का कोना, कोण जैसे- ईशान कोण, आग्नेय कोण, नैऋत्य कोण, वायव्य कोण।

विदिशा स्त्री. (तत्.) 1. विपरीत दिशा 2. प्राचीन दशार्ण नामक प्रदेश की राजधानी वर्तमान भेलसा नगर 3. मालवा प्रदेश की एक नदी का नाम।

विदीर्ण वि. (तत्.) 1. विदारण किया हुआ, फाड़ा हुआ 2. खंड-खंड किया हुआ 3. खोला हुआ, फैलाया हुआ 4. टूटा हुआ 5. मार डाला हुआ।

विदुय स्त्री. (तत्.) बिजली पर्या. विद्युत, तड़ित।

विदुर वि. (तत्.) 1. बुद्धिमान, मनीषी 2. चतुर, कुशल, नागर, धीर पुं. 1. विद्वान, पुरुष 2. षड्यंत्रकारी 3. धूर्त आदमी 4. धृतराष्ट्र और पाण्डु के छोटे भाई जो व्यास द्वारा अंबिका की दासी के पुत्र थे।

विदुष पुं (तत्.) विद्वान, पंडित, ज्ञानी।

विदुषी स्त्री. (तत्.) 1. विद्वत्ता पूर्ण स्त्री, पंडिता स्त्री, विद्वान स्त्री।

विदूर वि. (तत्.) जो बहुत दूर हो, दूर स्थित पुं. 1. दूरस्थ देश या कोई प्रदेश 2. एक देश 3. एक पर्वत का नाम जहाँ से वैदूर्यमणि निकलती है 4. कुरु का एक पुत्र 5. दूरवर्ती, सुदूर, दूरस्थ

प्रदेश 6. एक पर्वत जिससे प्राचीन काल में वैदूर्य मणि मिलती थी 7. वेत्ता, जानने वाला 8. चालाक, चतुर, कुशल, निपुण 8. चतुर व्यक्ति, विद्वान 10. धृतराष्ट्र और युधिष्ठिर के एक विद्वान, नीतिज्ञ मंत्री जो यमराज के अवतार कहे जाते हैं।

विदूरित वि. (तत्.) जो बहुत दूर किया हुआ या गया हो।

विदूषक पुं (तत्.) 1. बातचीत या नकल आदि करके हँसाने वाला, व्यक्ति, मसखरा वि. दूषित करने वाला, मलिन करने वाला, भ्रष्ट करने वाला, मजाक करने वाला, परनिंदक नाट्य. संस्कृत नाटकों में प्रयुक्त एक विशिष्ट पात्र जो राजा का मित्र होता है तथा अपनी विचित्र वेशभूषा, हावभाव चेष्टाओं तथा बातचीत के अभिनय से सबको हँसाता है तथा नायिका के मिलन में भी सहायक होता है, सहायक।

विदूषण सं.क्रि. (तत्.) 1. दूसरे पर दोष लगाना 2. दोषी ठहराना 3. सताना, कष्ट देना, दुखी होना 4. किसी वस्तु को दूषित करने का भाव 5. दूषित करना, गंदा करना 6. भ्रष्ट करना, भ्रष्टाचार 7. व्यंग्य करना, दुर्वचन 8. दोषारोपण 9. खिडकी, परिवार।

विदूषणा सं.क्रि (तत्.) 1. दूसरे पर दोष लगाना, निंदा करना 2. सताना, कष्ट देना 3. दुखी होना।

विदूषित वि. (तत्.) 1. जिस पर दोष लगाया गया हो, लांछित 2. दोषपूर्ण, दूषित 3. भ्रष्ट किया हुआ, गन्दा किया हुआ, निंदित, जिसकी निन्दा की गई हो।

विदेशी वि. (तत्.) 1. जो दूसरे देश का हो, परदेशी 2. जो दूसरे देश से संबंधित हो 3. विदेश में उत्पन्न, विदेश में बनने वाला, विदेश से आयात किया हुआ माल विलो. स्वदेशी।

विदेशीय वि. (तत्.) 1. जो दूसरे देश का हो 2. जो दूसरे देश में बना हो, विदेशी।